



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY  
भाग II—खण्ड 3(ii)  
PART II—Section 3(ii)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 301]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 20, 1978/ज्येष्ठ 30, 1900

No. 301]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 20, 1978/JYAISTHA 30, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय  
(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 20 जून, 1978

आदेश

का०आ० 396(अ)—केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 के अधीन जारी किये गये भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक विकास के आदेश सं० का०आ० 325 (अ), तारीख 18 मई, 1978 द्वारा व्यक्तियों के एक निकाय को, सम्पूर्ण औद्योगिक उपक्रम का जो बंगाल इम्प्यूनिटी कम्पनी लिमिटेड, कलकत्ता के रूप में जाना है, प्रबन्ध उसमें विनिर्दिष्ट अवधि के लिये, ग्रहण करने के लिये प्राधिकृत किया है ;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे उपाबद्ध अनुसूची में ऐसे अपवादों, निबन्धनों और परिसीमाओं को विनिर्दिष्ट करती है, जिसके अधीन रहते हुए कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) उक्त औद्योगिक उपक्रम को उसी रीति से लागू होता रहेगा जैसे वह धारा 18 के अधीन आदेश जारी किये जाने के पूर्व उसे लागू होता था ।



अनुसूची

कम्पनी अधिनियम 1956  
के उपबन्ध

वे अपवाद, निबन्धन और परिसीमाएँ, जिनके अधीन रहते हुए स्तम्भ (1) में वर्णित उपबन्ध उपक्रम को लागू होंगे

धारा 166

इन धाराओं के उपबन्ध उस सीमा तक लागू नहीं होंगे कि

धारा 210(1)

औद्योगिक उपक्रम का तुलन पत्र तथा लाभ और हानि लेखा को, वार्षिक साधारण प्रधिवेशन के समक्ष रखे जाने की आवश्यकता नहीं है ।

औद्योगिक उपक्रम प्रायिक रूप से तुलन पत्र और लाभ और हानि लेखा तैयार करेगा और अपनी कानूनी विवरणियाँ और तुलन पत्र तथा लाभ और हानि लेखा कम्पनियों के रजिस्ट्रार के पास फाइल करेगा । यह छूट कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 159(1) के उपबन्धों का प्रभावित नहीं करेगी ।

धारा 217

इस धारा के उपबन्ध औद्योगिक उपक्रमों को लागू नहीं होंगे ।

धारा 224

इस धारा के उपबन्ध औद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगे, बशर्ते कि लेखा परीक्षक केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त किया जाये ।

धारा 225

इस धारा के उपबन्ध औद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगे बशर्ते कि लेखा परीक्षक केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त किया जाये ।

धारा 293

इस धारा के उपबन्ध औद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगे ।

धारा 294

इस धारा के उपबन्ध औद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगे ।

[सं० 4/1/77 सी०एन०सी०]

पी०सी० नायक, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF INDUSTRY

Department of Industrial Development)

New Delhi, the 20th June, 1978

## ORDER

S.O. 396(E).—Whereas by the order of the Government of India in the Ministry of Industry, Department of Industrial Development No. S.O. 325(E) dated the 18th May, 1978 issued under section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951(65 of 1951), the Central Government have authorised a body of persons to take-over the management of the whole of the industrial undertaking known as Bengal Immunity Company Limited, Calcutta for the period specified therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18E of the said Act, the Central Government hereby specifies in the Schedule annexed hereto, the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act 1956 (1 of 1956) shall continue to apply to the industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the order under section 18A.

## SCHEDULE

Provisions of the Companies Act, 1956		Exceptions, restrictions and limitations subject to which the provisions mentioned in column (1) shall apply to the undertaking
(1)	(2)	
Section 166 Section 210(1)	Provisions of these sections shall not apply to the extent that the Balance Sheet and Profit and Loss	

(1)

(2)

Account of the industrial undertaking need not be placed before the Annual General Meeting. The industrial undertaking will have to prepare the Balance Sheet and Profit and Loss Accounts as usual and shall file its statutory returns and balance sheet and profit and loss account with the Registrar of Companies. The exemption does not affect the provisions of section 159(1) of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

Section 217

Provisions of this section shall not apply to the industrial undertaking.

Section 224

Provisions of this section shall not apply to the industrial undertaking, subject to the condition that the auditor shall be appointed by the Central Government.

Section 225

Provisions of this section shall not apply to industrial undertaking subject to the condition that the auditor shall be appointed by the Central Government.

Section 293

Provisions of this Section shall not apply to the industrial undertaking.

Section 294

Provisions of this section shall not apply to the industrial undertaking.

[No. 4/1/77-CNC]

P. C. NAYAK, Jt. Secy.